24/06/2021

भोलाराम का जीव

1) चित्रगुप्त की परेशानी का कारण बताइए?

उ) भोलाराम नाम का एक व्यक्ति पांच दिन पहले अपना देह त्याग चुका था पर उसका जीव अब तक यमदूत के साथ लापता नहीं पहुँचा इसी बात को लेकर चित्रगुप्त जी परेसान हुये।

2) यमदूत ने हाथ जोड़कर चित्रगुप्त से क्या कहा?

उ) "दयानिधान, मैं कैसे बतलाऊँ कि क्या हो गया। पाँच दिन पहले जीव ने भोलाराम का देह त्यागी, तब मैं उसे लेकर एक तीव्र वायु-तरंग पर सवार होकर इस लोक की यात्रा पर था। तब वह जीव मुझे चकमा देकर न जाने कहाँ गायब हो गया। इन पाँच दिनों में मैंने पूरा ब्रह्मांड छान डाला पर उसका कहीं पता न चला।"

3) चित्रगुप्त ने नारद को भोलाराम के विषय में क्या जानकारी दी?

उ) चित्रगुप्त ने नारद से कहा, भोलाराम नाम का था उसका। जबलपुर शहर के घमापुर मोहल्ले में

नाले के किनारे एक डेढ़ कमरे के टूटे-फूटे मकान में वह परिवार समेत रहता था। उसके एक स्त्री थी, दो लड़के और एक लड़की। वह लगभग पैंसठ रुपया सरकारी नौकर था, लेकिन एक साल पहले रिटायर हो गया था। मकान का किराया उसने एक साल से न दिया था, इसलिए मकान-मालिक उसे निकालना चाहता था। इतने में भोलाराम ने संसार ही छोड़ दिया।

4) बड़े साहब ने नारद जी से रिश्वत के पैर पर क्या माँगा?

उ) बड़े साहब ने नारद जी से रिश्वत के पैर पर उनकी प्रिय वीणा माँगी थी.

6) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

~~उ) इस कहानी में आज की [illegible] सामाजिक और राजनीतिक [illegible] किया है।~~

उ) हमें भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु कृतसंकल्प होने की आवश्यकता है। जन-जागृति ही राष्ट्र को भ्रष्टाचार जैसी कुरीतियों से मुक्त कर सकती है।

3)

उ) भोलाराम कि मृत्यु के पाँच दिन हो गए और अभी तक यमदूत उसके जीव को लेकर यमलोक नहीं पहुँचा। सब कुछ सही समय पर हुआ था पर अभी तक यम दूत नहीं आया। इस कारण चित्रगुप्त परेशान थे।

4)

उ) यमदूत ने हाथ जोड़कर कहा कि उसने भोलाराम के जीव को शरीर से निकलते ही कस्त पकड़ लिया और यमलोक की ओर रवाना हुआ। जैसे ही वह नगर के बाहर निकलकर अपनी तेज गति से आया, वैसे ही वह जीव उसके चंगुल से छुटकर गायब होगया। उसकी खोज में ही वह पाँच दिनों तक भटकता रहा पर वह कहीं नहीं मिला। ऐसा धोखा उसने कभी न खाया था।

5)

3) चित्रगुप्त ने नारद को बताया की भोलाराम
जबलपुर शहर के धमापुर मुहल्ले मे रहता था।
उसकी उम्र लगभग पैंसठ साल थी। वह
सरकारी नौकरी से पाँच साल पहले रिटायर हो
गया था। उसकी पेंशन उसे नहीं मिल रही थी,
क्योंकि पेंशन के कागजात दफ्तरों के जाल में
फसा था। उसके परीवार मे पत्नी
दो लड़के और एक लड़की है। एक साल से मकान
का किराया नहीं देने पर मकान-मालिक
उसे निकालना था। इसके पहले ही भोला राम ने
संसार छोर दिया। उसकी मृत्यु के पाँच दिन
होगए हैं। अगर मकान-मालिक सही थकती है
तो उसने भोला राम को परिवार को नीकाल दिया हो

4)

3) बरे आहब ने नारद जी से रीश्वत को तौर पर
उसकी वीणा माँगी।

5)

उ) इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि भ्रष्टाचार समाज को घुन दुवा देने वाली बुराई है। इस कारण समाज के एक एक वर्ग को इसके खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी।

Extra question - अतिरिक्त प्रश्न

1) धर्मराज किस आधार पर जीवों को स्वर्ग या नरक मे निवास स्थान "अलॉट" करते हैं?

उ) धर्मराज जीवो को कर्म और सिफारिश के आधार पर स्वर्ग या नरक मे निवास स्थान "अलॉट" करते है।

2) भोलाराम का जीव कहानी किस विधा की रचना है?

उ) (भोलाराम का जीव) कहानी व्यंग्य विधा की रचना है।

3) मकान-मालिक भोलाराम के परिवार को क्यो निकालना चाहता था?

उ) भोलाराम ने मकान का किराया साल भर से नहीं चुकाया था, इसलीए मकान-मालिक भोलाराम के परीवार को निकालना चाहता था।

4) नारद जी को दफ्तर में पचीसों बाबुओं के पास चक्कर क्यों लगाना पड़ा?

उ) भोलाराम की दरख्वास्त पर वज़न नहीं रखा गया था सरकारि दफ़्तर के कर्मचारि बिना रिश्वत के कुछ नहीं कर रहे थे इसलीए सभी अपना, अपना पल्ला झाड़ रहे थे यही कारण था कि नारद जी को पचीसों बाबुओं और अफसरों के पास चक्कर लगाना पड़ा।

5) नारद जी को स्त्री-क्रोध का सामना क्यों करना पड़ा?

उ) नारद जी ने भोलाराम की पत्नी से पूछा कि कहीं भोलाराम किसी पराई स्त्री के चक्कर में तो नहीं पड़े थे। इसीबात पर नारद जी को स्त्री-क्रोध का सामना करना पड़ा।

6) भोलाराम की स्त्री ने नारद जी से क्या प्रार्थना की ?

उ) भोलाराम की स्त्री ने नारद जी से यह प्रार्थना की कि वह साधु और सिद्ध पुरुष हैं। उन्हें कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे उसके पति की रुकी पेंशन मिल जाए और उन अभागी बच्चों का पेट भी कुछ दिन के लिए भर जाए।

7) बड़े साहब नारद जी पर नाराज क्यों हु[ए]

उ) नारद जी बिना किसी विज़िटिंग कार्ड के बड़े साहब के कमरे में दाखिल हो गए थे। इस कारण बड़े साहब नारद जी पर नाराज हो गए।

8) बड़े साहब ने नारद जी से वीणा क्यों मांगी

उ) बड़े साहब को नारद जी की वीणा पसंद [आ] गई थी। उन्हें भोलाराम कि फाईल के लिए इसके बदले घूस नहीं मिल सकता था। क्योंकि उनकी लड़की गाना सीखती थी। इसीलिए बड़े

भारत ने घूस के तौर पर मास्टर जी से वीणा माँगी।

प्र) भोला राम का जीव कहानी में भारत देश के भ्रष्टाचार को किस प्रकार दिखाया गया है?

उ) भोला राम का जीव कहानी में भारत देश के भ्रष्टाचार को पूरी तरह से दिखाया गया है। रेलवे विभाग कि ओर व्यंग्य करते हुए लिखा गया है कि रेलवे वाले फल, सामान आदि चुरा कर खा लेते हैं। कभी-कभी तो पूरे डिब्बे का सामान गायब हो जाता है। राजनीतिक दलों के नेता विरोधी नेताओं को उठाकर बंद कर देते हैं। भारत देश की पंचवर्षीय योजनाओं में चूना लगाने वाले ठेकेदार और इंजीनियर मिले। इन्होंने पूरे पैसे लेकर रद्दी इमारतें बनाईं। कुछ कर्मचारियों ने झूठे मजदूर बनाकर उनके नाम पर पैसा खाया। सरकारी कार्यालयों में घूस के बिना कुछ काम नहीं होता। यही कारण है कि भोला राम की फाइल दबी रह गई। नारद जैसे साधु को भी घूस के रूप में अपनी वीणा देनी पड़ी।

भोलाराम का जीव

उसका नाम भोलाराम था जबलपुर शहर के
घमापुर मोहल्ले मे नाले के किनारे एक टूटे-फूटे
मकान मे परिवार समेत रहता था। सरकारी नौकर था। पान्च साल हो
गए रिटायरं के परंतु पेंशन अभी तक न मिला था